पाठ - 8

'रहीम के दोहे'

प्र01 तरुवर फल नहिं खात है

सरवर पियत न पान।

कहि रहीम परकाज हित

सम्पति सचहिं सुजान।

ऊपर दिए गए दोहे में मोटे रंखांकित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची लिखिए।

1) .....

2) .....

प्र02 रिक्त स्थानों की पूर्ति करो।

1) थोथे बादर क्वार के, ज्यों .....।

धनी ..... करें .....

2) जाल परे जल जात बहि .....

रहिमन ..... नीर को, तऊ ने.....।।

प्र03 निम्न शब्दों के शुद्ध रूप लिखो।

1) बिपत्ति .....

2) बादर .....

3) मछरी .....

4) सीत .....

5) परे .....

प्र04 नीचे दिए गए शब्दों को उनके पर्यायवाची शब्दों से मिलाइए -

	'क'	'ख'
1)	बयार	मनुज, व्यक्ति, मनुष्य
2)	देह	पेड़, वृक्ष, तरूवर
3)	मानव	देव, अमर, अजर

egyanarchive

4)	तरु	बादल, मेघ, जलज
5)	सुर	हवा, वायु, समीर
6)	बादल	शरीर, काया, तन

प्र05 ''रहीम के दोहे'' में से अनुप्रास अलंकार छाँटकर लिखिए

जैसे :- बनत - बहुत

क)

ख)

ग)

घ)

ड)

egyanarchive